आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)

बुधवार 14.05.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति ने कहा– आतंकवाद के विरूद्ध भारत की कार्रवाई उल्लेखनीय सफलता है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देहरादून में "तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा" निकाली गई।
- प्रदेश में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा शुरू।
- रुद्रनाथ की यात्रा के लिए अनिवार्य रूप से कराना होगा पंजीकरण, 140 श्रद्धालु ही प्रतिदिन जा सकेंगे रुद्रनाथ।

ऑपरेशन सिंदूर जानकारी

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की उल्लेखनीय सफल कार्रवाई के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की सराहना की।

तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आज देहरादून के शौर्य स्थल चीड़बाग से गांधी पार्क तक भव्य "तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा" का आयोजन किया गया। यह यात्रा हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलतापूर्वक चलाए गए "ऑपरेशन सिंदूर" की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रही। हजारों की संख्या में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग और मातृशक्ति ने तिरंगे के साथ पद यात्रा में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले वीर सैनिकों, वायु सेना, नौसेना और सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत किसी भी आतंकी चुनौती का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे सेना और सुरक्षा बलों के अनुशासन, शौर्य और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' को प्रत्येक वर्ष मनाए जाने का आह्वान किया।

सेमीकंडक्टर इकाई

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में ज़ेवर हवाई अड्डे के पास एक सेमीकंडक्टर इकाई की स्थापना को मंजूरी दे दी है। आज नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह इकाई एचसीएल और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में पांच सेमीकंडक्टर इकाइयां पहले से ही निर्माण के उन्नत चरणों में हैं। इस छठी इकाई के साथ, भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने की दिशा में और प्रगति कर रहा है। आज स्वीकृत नई सेमीकंडक्टर इकाई पर अनुमानित निवेश 3 हजार 700 करोड़ रुपये है।

मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने आज भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज सुबह राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई को पद की शपथ दिलाई।

आदि कैलाश यात्रा

प्रदेश में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा आज से शुरू हो गई है। आज नैनीताल जिले के काठगोदाम से यात्रा के लिए लगभग 20 सदस्यीय पहले दल को विधिवत रवाना किया गया। इस दल में उत्तराखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के यात्री शामिल हैं। यह दल नैनीताल, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के विभिन्न मंदिरों के दर्शन करने के साथ ही गूंजी पहुंचेगा। जहां से जॉलिंगकोंग में आदि कैलाश और नाभीढांग में ओम पर्वत के दर्शन किए जाएंगे। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया।

वहीं, कुमाऊं मंडल विकास निगम ने यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। अब तक 102 श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण किया है।

रुद्रनाथ कपाट

चमोली जिले में स्थित पंच केदरों में से एक चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट आगामी 18 मई को खुलने हैं। भगवान रुद्रनाथ की यात्रा की आज शीतकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद शुरुआत हो गई है। गोपीनाथ मन्दिर में पूजा–अर्चना के बाद मंदिर के गर्भ गृह से भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली को श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए मंदिर परिसर में रखा गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। आज और कल भगवान की चल विग्रह उत्सव डोली श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए मंदिर परिसर में ही मौजूद रहेगी। 16 मई को डोली प्रातः रुद्रनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। 18 मई को ब्रह्म मुहूर्त में भगवान रुद्रनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

कपाट खुलने को लेकर मंदिर समिति के साथ ही प्रशासन और केदारनाथ वन प्रभाग ने तैयारियां शुरु कर दी है। इस बार रुद्रनाथ यात्रा को सुव्यवस्थित करने के लिए वन प्रभाग की ओर से पारिस्थितिकी विकास समिति का गठन किया गया है। साथ ही यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की संख्या भी निर्धारित की गई है। बीते वर्षों की रुद्रनाथ यात्रा पर गए श्रद्धालुओं की संख्या और संरक्षित क्षेत्र के पर्यावरण व पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुये इस वर्ष श्रद्धालुओं की धारण क्षमता के अनुरुप प्रतिदिन 140 श्रद्धाओं की संख्या निर्धारित की गई है।

यात्रा के सुचारु संचालन के लिए केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग की ओर से श्रद्धालुओं के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए kedarnathwildlife.uk.gov.in वेबसाइट तैयार की गई है। जिसमें रूद्रनाथ आने वाले सभी यात्रियों को अनिवार्य रूप से पंजीकरण करना होगा। रुद्रनाथ यात्रा को लेकर केदारनाथ वन प्रभाग की ओर से एडवाइजरी भी जारी की गई है। इसके तहत यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण कराने, यात्रा के दौरान प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का इस्तेमाल कम करने, तय यात्रा मार्ग से ही यात्रा करने और स्थानीय गाइड को अवश्य साथ ले जाने की अपील गई है। गौरतलब है कि रुद्रनाथ मंदिर में भगवान शिव की मुख की पूजा की जाती है। कपाट बंद होने के बाद शीतकाल में 6 महीने, भगवान रुद्रनाथ की पूजा–अर्चना गोपीनाथ मंदिर में की जाती है।

स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के तहत चम्पावत जिले की लोहाघाट नगर पालिका में वृहद् स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा ने बताया कि पालिका की ओर से लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर नगर की सफाई की जा रही है। इसी क्रम में पालिका क्षेत्र बाड़ी गाड़ से महाविद्यालय तक विशेष स्वछता अभियान चलाया गया। स्थानीय प्रशासन, व्यापार संघ, विद्यालय परिवार और ग्राम पंचायत राय नगर चौड़ी के लोग स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे सप्ताह में एक दिन स्वच्छता कार्यक्रम से जुड़ें और कूड़ा सड़क किनारे न डालकर कूड़ेदान में ही डालें, ताकि नगर की स्वच्छता बनी रहे।